एम.ए. हिंदी कार्यक्रम
द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य
(जुलाई 2025 और जनवरी 2026 सत्रों के लिए)

वैकल्पिक पाठ्यक्रम :

मॉड्यूल '4' : मध्यकालीन कविता

एम.एच.डी – 21 : मीरा का विशेष अध्ययन
एम.एच.डी – 22 : कबीर का विशेष अध्ययन
एम.एच.डी – 23 : मध्यकालीन कविता–1
एम.एच.डी – 24 : मध्यकालीन कविता–2

सत्रीय कार्य

जुलाई–2025 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2026
जनवरी–2026 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 30 सितम्बर, 2026

एम.एच.डी.–24 : मध्ययुगीन कविता–1
सत्रीय कार्य
(सभी खंडों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–24
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–24/टी.एम.ए./2025–26
कुल अंक : 100

1. **निम्नलिखित पद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :** 10X4 = 40

(क) रहिमन जिह्वा बावरी, कहिगै सरग पताल।
आपु तो कहि भीतर रही, जूती खात कपाल ।।

(ख) मूलन ही की जहाँ अधोगति केशव गाइय।
होम हुताशन धूम नगर एकै मलिनाइय।
दुर्गति दुर्गन ही जु कुटिल गति सरितन ही में।
श्रीफल को अभिलाष प्रगट कवि कुल के जी में।

(ग) बरज्यो न मानत हौ बार–बार बरज्यो मैं,
कौन काम, मेरे इत भौन मैं न आइए;
लाज को न लेस, जग हाँसी को न डर मन,
हँसत–हँसत आन बात न बनाइए।

(घ) डार द्रुम पलना, बिछौना नवपल्लव के,
सुमन झँगूला सोहै तन छवि भारी दै।
पवन झुलावै, केकी कोर बहरावैं देव,
कोकिल हलावै हुलसावै कर तारी दे।।
पूरित पराग सों उतारो करै राई लोन
कंजकली–नायिका लतानि सिर सारी दै।

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500–500 शब्दों में दीजिए :** 15X3 = 45

(क) नीतिकाव्य परंपरा का परिचय दीजिए।
(ख) रहीम के काव्य की भाषागत विशेषताएँ बताइए।
(ग) मतिराम के प्रकृति वर्णन की विशेषताओं का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

3. **निम्नलिखित विषयों में से प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणी लिखिए :** 5X3 = 15

(क) कविप्रिया
(ख) परवर्ती कवियों पर 'देव' का प्रभाव
(ग) 'केशवदास' का आचार्यत्व